बूंदी में अतिक्रमी ने पड़ौसी की दीवार तोड़ी, टोका तो मारपीट कर दी

'नगर परिषद के अधिकारियों की मिलीभगत से सिलोर रोड पर अवैध निर्माण हो रहा है'

बूंदी (निसं)। नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता एवं अतिक्रमण दस्ते की अवैध निर्माणकर्ताओं से मिलीभगत के कारण शहर में चारों ओर अवैध निर्माण चरम पर है। शहर के मुख्य बाजारों सहित बाईपास, देवपुरा, नैनवां रोड, सिलोर रोड, चित्तौड रोड आदि इलाकों में अवैध निर्माण की बाढ सी आई हुई है।

आवासीय निर्माणों को तो छोडो इन दिनों शहर में बडी तादाद में अवैध रूप से बडे व्यावसायिक निर्माण चल रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शहर के सिलोर रोड पर सामने आया है। जहां अवैध निर्माणकर्ता शहर में चल रहे अन्य अवैध निर्माण कर्ताओं से एक कदम आगे निकल गया। यहां अतिक्रमी पर पडोसी की दीवार तोड़ने का आरोप है। पडोसी ने जब अतिक्रमी को दीवार तोडने से रोका और दीवार को पुन: ठीक कराने की बात कही तो यह अवैध निर्माण कर्ता को इतना नागवार गुजरी की उसने अपने साथियों के साथ पीड़ित पड़ोसी पर हमला कर उसे घायल कर दिया। गुरुवार रात्रि को इस आशय की रिपोर्ट पीड़ित राधेश्याम मेवाडा ने सदर थाना में दर्ज करवाई है।

नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता एवं अतिक्रमण दस्ते की अवैध निर्माणकर्ताओं से मिलीभगत के कारण शहर में चारों ओर अवैध निर्माण चरम पर है।

मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ, पीड़ित द्वारा शुक्रवार को नगर परिषद में अवैध निर्माण कर्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए अवैध निर्माण बंद करवाने की गुहार लगाई लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात निकला। कुंभकर्णी नींद में सो रहे नगर परिषद के अधिकारियों पर शिकायत का कोई प्रभाव ही नहीं पडा। उधर नगर परिषद के कर्ताधर्ताओं के साथ सांठगांठ के चलते दिनदहाड़े मुख्य सड़क पर अवैध निर्माण धड़ल्ले से चलता रहा। पड़ोसी द्वारा की गई शिकायत के अनुसार निर्माण कर्ता द्वारा जिस स्थान पर निर्माण किया जा रहा है वह 30 गुणा 50 (1500 फीट) का प्लॉट है लेकिन निर्माण 70 गुणा 50 (3500) फीट में करवाया जा रहा है। निर्माणकर्ता द्वारा अपने प्लॉट की भूमि से 2000 फिट अधिक सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण शुरू किया गया है। जिसकी किसी प्रकार की निर्माण स्वीकृति नगर परिषद से नहीं ली गई है। अवैध निर्माण कर्ता सभी नियम कायदों को ताक में रखते हुए नगर परिषद के अधिकारियों से साथ सांठगाठ के दम पर सड़क पर ही निर्माण करने पर आमादा है। जिस स्थान पर निर्माण कार्य शुरू किया गया है वह शहर में प्रवेश करने के लिए प्रमुख मार्गों में एक है।

पीड़ित को कहीं नहीं मिला न्याय:- पीडित राधेश्याम मेवाडा ने मारपीट के पश्चात दो नामजद एवं चार पांच अन्य लोगों के खिलाफ सदर थाने में गुरुवार 8 फरवरी की रात को मुकदमा दर्ज करवाया लेकिन आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। वहीं 9 फरवरी शुक्रवार को पीड़ित राधेश्याम मेवाडा ने नगर परिषद से अवैध निर्माण बंद करवाने तथा उसकी टूटी दीवार को ठीक करवाने की गुहार लगाई लेकिन यहां भी पीड़ित को कोई राहत नहीं मिल पाई।

गायत्री महायज्ञ की तैयारी पूर्ण

झालावाड़ (निसं)। शान्ति कुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री शक्ति पीठ झालावाड़ द्वारा आयोजित होने वाले 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ तथा गायत्री नव चेतना केन्द्र के भूमि पूजन की तैयारियां पूरी हो चुकी है। गायत्री शक्ति पीठ के प्रवक्ता ओम पाठक ने बताया कि गायत्री शक्ति पीठ द्वारा आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रम का आगाज सोमवार को भव्य कलश यात्रा से होगा। दोपहर 12 बजे से कलश यात्रा राधा रमण मन्दिर परिसर से प्रारम्भ होगी जो झालावाड़ के मुख्य मार्गो से होकर निकलेगी। राधा रमण से प्रारम्भ होकर मोटर गैराज, बड़ा बाजार सीमेण्ट रोड़, मंगलपुरा चौराहा, मूर्ति चौराहा से होकर मामा भान्जा पहुंच कर कलश यात्रा वाहनों के माध्यम से कार्यक्रम स्थल गायत्री चेतना केन्द्र परिक्रमा मार्ग रलायता पहुंचेगी। स्थल पर माँ गायत्री की पूजा अर्चना की जावेगी। कार्यक्रम स्थल पर 13 फरवरी को प्रात: योग प्राणायाम, प्रात: 8 बजे यज्ञ एवं संस्कार कार्यक्रम होग। 15 फरवरी को यज्ञ की पूर्णाहुति होगी तथा गायत्री नव चेतना केन्द्र का भूमि पूजन होगा। धार्मिक कार्यक्रम स्थल पर 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के लिये यज्ञ वैदी की तैयार की गई है। कार्यक्राल पर विशेष विद्युत सजावट की गई है। कलश यात्रा का झालावाड़ में विभिन्न स्थलों पर पुष्पों से स्वागत किया जावेगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाकर गायत्री शक्ति पीठ के पदाधिकारी कार्यकर्ता पुरूष टोली, महिला टोली घर-घर जाकर 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में भाग लेने के लिए आमंत्रण दिया गया है।

कचरा निस्तारण के लिए भूमि देखने गये तो अवैध खनन का मामला उजागर

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे ''गांव चलो अभियान'' के तहत भाजपा कोटा देहात के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र नन्दवाना आज जाखोड़ा पंचायत के लाड़पुर गांव में प्रवास पर रहे। प्रवास के दौरान नन्दवाना ने ग्रामवासियों की लम्बे समय से चली आ रही प्रमुख समस्याओं के निराकरण के लिए कैथून नगरपालिका प्रशासन और कैथून थानाधिकारी को मौके पर बुलाकर शिकायत की और कार्यवाही करने की मांग की।

भाजपा कोटा देहात जिलाध्यक्ष योगेन्द्र नन्दवाना ने बताया कि ग्राम लाड़पुर में विगत कांग्रेस सरकार की अनदेखी के गांव के आम रास्ते पर कैथून नगर पालिका द्वारा कचरा डाला जा रहा था। इससे गांव का आम रास्ता और मुक्तिधाम के मार्ग पर कचरे के ढेर लगे हुए थे। जिससे ग्रामवासी परेशान थे और गन्दगी व बदबू को सहन कर रहे थे। लेकिन पालिका प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा था। प्रवास के दौरान ग्रामवासियों ने नन्दवाना से समाधान का आग्रह किया तो नन्दवाना ने जिला कलेक्टर महोदय को फोन पर अवगत करवाया। जिला कलेक्टर के आदेश पर कैथून थानाधिकारी रामनारायण भवरीया, लाड़पुरा पंचायत समिति बी.डी.ओ., पंचायत समिति ए.ईन, उपनिदेशक स्थानीय निकाय विभाग अनुपमा टेलर, ई.ओ. तरन्नुम, जे.ई.एन नगरपालिका सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। नन्दवाना ने अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि जिस प्रकार से नगर पालिका कैथून द्वारा पूरे एक गांव और ग्रामवासियों को अनदेखा कर कचरा डाला जा रहा हैं। वह अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा जल्द ही नगर पालिका इस कचरे को उठाने और निस्तारण की कार्यवाही करें। कचरे के निस्तारण के लिए नन्दवाना और अधिकारी अन्य भूमि का चयन करने गये तो नगर पालिका की खसरा नम्बर 1898 पर अवैध खनन करते हुए खनन माफियाओं के वाहन मिले। इस प्रकार मौके पर धड़ल्ले से हो रहे खनन को देख नन्दवाना ने कहा कि आपकी आंखों क सामने ही नगर पालिका की सम्पति को खुर्द-बुर्द किया जा रहा है और यह सब नगरपालिका चैयरमैन की मिलीभगत से हो रहा है। नन्दवाना बी.डी.आर. को चैयरमेन और खनन माफिया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की। नन्दवाना ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पूर्व में भी हमने अवैध खनन की शिकायतें प्रशासन को की गई थी लेकिन चौयरमेन की मिली-भगत के कारण इस पर कार्यवाही नहीं की गई। चौयरमेन और अधिकारियों की मिलीभगत से नगर पालिका की सम्पति को खुर्द-बुर्द किया जा रहा है और चांदी काटी जा रही है। बीडीआर ने ई.ओ. नगर पालिका को जांच कर दोषियों के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। नन्दवाना ने 7 दिवस के अन्दर कचरा पॉइंट हटाकर सफाई करवाने और अवैध खनन बन्द करने की चेतावानी दी। इस दौरान प्रमुख रूप से शांतीलाल, गंगाधर, दिलीप, राजू, राजेन्द्र, परमानन्द, सागर, चिन्टू, सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

सार-समाचार

नॉन इंटरलाकिंग कार्य स्थगित

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मण्डल के कटनी-सिंगरौली रेल खण्ड पर डबल लाइन को जोड़ने के लिए छटैनी, ब्यौहारी, दुवरी कलां एवं विजयसोता स्टेशनों पर प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना था। अब रेल प्रशासन द्वारा अगली सूचना तक के लिए स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में जारी अधिसूचना के अनुसार इस मार्ग पर कोटा होकर चलने वाली दो जोड़ी गाड़ियों को निर्धारित तिथियों में अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त किया गया था। गाड़ी संख्या 19608 मदार जंक्शन-कोलकाता एक्सप्रेस दिनांक 12 एवं 19 फरवरी 2024 को तथा गाड़ी संख्या 19607 कोलकाता-मदार जंक्शन एक्सप्रेस 15 एवं 22 फरवरी 2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त सेवा तथा गाड़ी संख्या 18009 संत्रागाछी-अजमेर एक्सप्रेस दिनांक 16 एवं 23 फरवरी 2024 को तथा गाड़ी संख्या 18010 अजमेर-संत्रागाछी एक्सप्रेस दिनांक 11, 18 एवं 25 फरवरी 2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रेलसेवा नियमित रूप से अपने निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

परिचय सम्मेलन आज से

कोटा, (निसं)। मन्दिर श्री फलौदी माताजी महाराज समिति द्वारा 12-13 फरवरी को तीर्थनगरी खैराबादधाम में होने वाले विराट परिचय सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न राज्यों के शहर, कस्बो से युवक-युवतियों व अभिभावकों का पहुंचना प्रारम्भ हो गया है। माघ शुक्ल गुप्त नवरात्र में मां फलौदी की सिद्धपीठ इस धार्मिक मेले का विशेष महत्व माना जा रहा है। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सेठ मोहनदास करोड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री विष्णुप्रसाद करोडिया मंडावर व कोषाध्यक्ष कैलाशचंद दलाल ने बताया कि बाहर से आने वाले अतिथियों को ठहराने के लिए रामगंजमंडी, खैराबाद, मोड़क, चेचट, सुकेत, भवानीमंडी, झालावाड़ आदि कस्बों के समाजबंधुओं में मेले जैसी तैयारियां की है। आसपास की सभी धर्मशालाओं, होटलों में भी एडवांस बुकिंग हो चुकी है। कोटा सहित बड़े शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोज ट्रेन, बस या निजी वाहनों से आवागमन करेंगे।

शोएब खान जिला संयोजक बने

झालावाड़ (निसं)। राजस्थान समग्र शिक्षक संघ जिला शाखा झालावाड़ की जिला अध्यक्ष प्रभा सैन ने अपने विधान में प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए समग्र शिक्षक संघ के जिला संयोजक पद पर शोएब खान अध्यापक को जिला संयोजक मनोनीत किया है। जिला महामंत्री जितेंद्र दाधीच ने बताया की खान के मनोनयन से कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई साथ ही कर्मचारियों के हितार्थ कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर परं एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष यशवीर सिंह, रामप्रकाश रेगर, लोकेश, असद, अलीम बेग, देवेन्द्र मीणा, अब्दुल अहद, , विनोद खरनीवाल, महेश, सुहास शर्मा, अनिता शर्मा, सुनिता शर्मा, सितारा बेगम, अजीत धाभाई, सोहेल खान, अनीस खान, समीर खान, आमिर खान आदि ने बधाई दी। इस पर शोएब खान ने कहा कि सभी को साथ लेकर चलेगे व शिक्षक हित में तत्पर रहकर कार्य करेंगे।

सरस डेयरी का महत्वपूर्ण अंग है बूथ विक्रेता : राठौड़

कोटा, (निसं)। नयापुरा स्थित नागाजी के बाग में रविवार को कोटा डेयरी बूथ सरस प्रोडक्ट विक्रेता समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें 80 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि कोटा-बूंदी सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के अध्यक्ष चैनसिह राठौड़, अध्यक्षता प्रबंध संचालक देवकीनन्दन स्वामी ने की। विशिष्ट अतिथि कोटा मार्केटिंग के अध्यक्ष निहाल सिंह राठौड़, भूमि विकास बैंक के उपाध्यक्ष भंवरसिंह हाड़ा मंचासीन रहे। समिति अध्यक्ष शरद कुमार खरेटिया, उपाध्यक्ष राजू नागर, महासचिव बालमुकुन्द खुशवाह, सचिव मयंक शर्मा, ने अतिथियों का सम्मान किया। प्रचार प्रसार समिति अरविंद शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष चौनसिंह राठौड़ से सरस डेयरी उत्पादों पर कमीशन की बढ़ात्तरी एवं प्रशासन से होने वाले दुर्व्यवाहार से अवगत करवाया गया। अध्यक्ष शरद कुमार ने दूध 4, दही 3, लस्सी 3, श्रीखंड 3, पनीर 5, सादा छाछ 3 कमीशन की मांग रखी। उन्होने नगर निगम व यूआईटी द्वारा उन्हे अतिक्रमणियों की तरह व्यवहार करने पर अपनी पीड़ा भी डेयरी अध्यक्ष के समझ रखी। उन्होंने प्रोडक्ट पर एक्सपाईरी डेट सहित कई मुद्दो पर अपनी मांग रखी। हर आवश्यक मांग होगी पूरी डेयरी अध्यक्ष ने चैन सिंह राठौड़ ने हर संभव मदद व आवश्यक मांग को पूरा करने के आश्वासन देते हुए कहा कि समस्त बूथ विक्रेता कोटा सरस डेयरी के महत्वपूर्ण अंग है उनकी हर समस्या का समाधान शीघ्र किया जाएगा। उत्पाद की एक्सपायरी डेट के संबंध में चिकित्सा से राय लेकर तिथि के निर्धारण को सुनिश्चित किया जाएगा।

पांच दिवसीय पुस्तक मेला एवं कोटा लिटरेचर फेस्टिवल आज

कोटा, (निसं)। राजकीय सार्वजनिक पुस्तकालय में पांच दिवसीय पुस्तक मेला एवं कोटा साहित्यिक महोत्सव का आगाज रविवार से सी.ए.डी. दादाबाड़ी स्थित राजकीय सार्वजनिक मण्डल पुस्तकालय कोटा में पंच दिवसीय संभाग स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन 12 फरवरी 2024 सोमवार से 15 फरवरी शुक्रवार तक किया जा रहा है।

पुस्तकालयध्यक्ष डॉ दीपक श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि जिसका शुभारंभ सत्र सुबह 11 बजे होगाहोगा जिसमें माँ सरस्वती के द्वीप का प्रज्ज्वलन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया जायेगा। शुभारंभ सत्र के मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार खींची (निदेशक भाषा एवं पुस्तकालय विभाग राजस्थान, जयपुर), अध्यक्षता डॉ पूनम गुप्ता (विशेषाधिकारी भाषा एवं पुस्तकालय विभाग राजस्थान, जयपुर), आयोजन में विशिष्ट अतिथि डॉ एम एल अग्रवाल वरिष्ठ मनोचिकित्सक, जितेन्द्र निर्मोही ख्यातनाम साहित्यकार, डॉ.अतुल चतुर्वेदी ख्यातनाम साहित्यकार, बीज व्यक्तव्य अंबिका दत्त चतुर्वेदी वरिष्ठ साहित्यकार देगें। बीज व्यक्तव्य का विषय ''विकसित भारत मे पुस्तक संस्कृति की अवधारणा'' होगा। इस पुस्तक मेले मे 5000 पुस्तकों के प्रमुख टाईटल्स, 4000 से ज्यादा प्रकाशन हाउस की किताबे प्रमुख वेण्डर्स द्वारा लगाई जावेगी। साथ ही इस पुस्तक मेले में हाड़ौती अंचल के वरिष्ठ और अनुज साहित्यकारों की विशाल प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जो युवा, महिला और वरिष्ठ पाठकों को आकर्षण का केंद्र रहेगी। स्वागत उद्बोधन संभागीय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ दीपक श्रीवास्तव देंगे एवं संचालन स्नेहलता शर्मा करेंगी। कोटा साहित्यिक महोत्सव अंतर्गत प्रथम सत्र में डॉ. विवेक मिश्र पुस्तक, समाज और पुस्तकालय विषय पर अपने विचार रखेंगे। उसके पश्चात विषयष् जितेन्द्र निर्मोही के गीतों का रचना कर्म पर गीतकार जितेन्द्र निर्मोही से विजय जोशी साक्षात्कार लेंगे। इस सत्र में श्रोता रचनाकार से सवाल भी पूछेंगे। तीसरा सत्र मुरली गौड़ के राजस्थानी गीत का है जिसके संयोजक सुरेश पंडित होंगे। उसके बाद फिर खुली चर्चा का सत्र है राजस्थानी लेखिका श्यामा शर्मा की संस्मरण कृतिष् वै दन वै बातां को केंद्र में रखकर विजय जोशी साक्षात्कार लेंगे। अगला सत्र वंदना शर्मा के लोकगीतों पर है। फिर विष्णु हरिहर के बाद गीतों की प्रस्तुति होगी।

इसके बाद सुरेश पंडित के हास्य व्यंग्य गीत, एक शाम आपके नाम अंतर्गत शायर चांद शेरी की ग़ज़लें, फिर हरिचरण अहरवाल की समकालीन कविता अंतर्गत बावली संकलन की प्रस्तुति दी जाएगी। इस सत्र के साथ ही पहले दिन की प्रस्तुतियों पर विराम लग जाएगा। कार्यक्रम संयोजक शशि जैन ने अवगत कराया है कि इस आयोजन में साहित्यकार बंधुओं के साथ-साथ समाज के प्रबुद्ध नागरिक अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा मिले। मिडिया प्रभारी नहुष व्यास ने बताया कि पांच दिवसीय यह आयोजन कोटा महानगर में साहित्यिक चेतना का माहौल बनाएगा।

प्रो. दिनेश बिरला राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर नियुक्त

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में अब इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष और एसोसिएट डीन प्रो.दिनेश बिरला को डीन स्टूडेंट वेलफेयर पद पर मनोनीत किया गया है। साथ ही उन्हें राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न शैक्षणिक पदों के लिए की जाने वाली भर्तियों के विश्वविद्यालय भर्ती प्रकोष्ठ का संयोजक भी नियुक्त किया है।

विश्वाविद्यालय के सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि इस संबंध में कुलपति के अनुमोदन से विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेंद्र कुमार वर्मा द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि प्रोफेसर दिनेश बिरला इससे पूर्व भी विश्वविद्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों रजिस्ट्रार, विशेष अधिकारी कुलपति सचिवालय, विशेष अधिकारी आरटीयू परीक्षा विभाग, समन्वयक टेक्निकल एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम पर कार्य करते हुए विभिन्न प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्ययोजनाओं के सफल क्रियान्वयन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। इस अवसर पर प्रो. बिरला ने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की मौलिक इकाई और स्तंभ हैं। उनका प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों के हितों का संरक्षण करते हुए उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाऐं और उन्हें अकादमिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि डीन स्टूडेंट वेलफेयर के नाते विद्यार्थियों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में वह काम करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी हित में नई योजनाएं बनाने का काम भी किया जाएगा ताकि विद्यार्थी लाभान्वित हो सके।

दीनी तब्लीगी इज्तेमा शुरू

छबड़ा (निसं)। कस्बे की ईदगाह पर आयोजित 3 दिवसीय ज़िला स्तरीय दीनी तबलीगी इज़तेमा की रविवार को फ़ज़र की नमाज़ के बाद शुरुआत हुई। इज़तेमा में ज़िलेभर सहित अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। साथ ही देश व प्रदेश के उलेमा इज़तेमा में अपनी तक़रीर के ज़रिए से मुस्लिम समाज के लोगो को इस्लाम के अनुसार ज़िंदगी गुज़ारने व पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने का संदेश देंगे। यह इज़तेमा 3 दिन तक जारी रहेगा तथा 13 फ़रवरी को दुआ के साथ समाप्त होगा।

कस्बे की ईदगाह पर बारां ज़िले का तीन दिवसीय दीनी तब्लीग़ी इज़तेमा आयोजित हो रहा जिसकी शुरुआत रविवार को फ़ज़र की नमाज़ के बाद हुई। इज़तेमा में जिलेभर सहित अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल हो रहे है। जिनकी ठहरने व खाने पीने सहित अन्य व्यवस्थाएं भी ईदगाह पर की गई है। साथ ही 3 दिवसीय इज़तेमा के दौरान देश प्रदेश के उलेमा मुस्लिम समाज के लोगो को अपनी तक़रीर के ज़रिए इस्लाम की अहम जानकारियां देंगे।

लाखों में से एक स्टूडेंट को ढूंढ़ कर पुलिस ने उसकी जान बचाई

कोटा, (निसं)। कोटा पुलिस को यूपी पुलिस से मात्र एक छोटी सी जानकारी मिली कि कोटा में पढ़ रहा एक छात्र सुसाइड कर सकता है। जिसके बाद तत्परता दिखाते हुए 250 पुलिसकर्मियों की टीम ने छात्र को 3 घंटे के अंदर ढूंढ़ निकाला सिटी एसपी शरद चौधरी ने कहा कि अगर पुलिस थोड़ी देर और लगाती तो छात्र सुसाइड कर सकता था।

कोटा में मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने आने वाले विद्यार्थियों में सुसाइड की टेंडेंसी देखी जाती है। शनिवार को कोटा पुलिस को यूपी पुलिस से इनपुट मिला कि एक बच्चा सुसाइड कर सकता है ऐसे समय में उसकी तलाश में पुलिस के 250 से ज्यादा अधिकारी और जवान जुट गए और उस छात्र को 3 घंटे के अंदर ढूंढ़ लिया। बाद में छात्र की काउंसलिंग करवाई गई अगर पुलिस थोड़ी देर कर देती तो बच्चा अवसाद के चलते सुसाइड कर सकता था।

कोटा सिटी एसपी शरद चौधरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की वाराणसी साइबर सेल से उन्हें सूचना मिली कि कोटा में एक स्टूडेंट ने सुसाइड किया है और उसके मोबाइल में महाराष्ट्र निवासी एक स्टूडेंट के भी सुसाइड करने की जानकारी मिली है। पुलिस ने मोबाइल नंबर और उसके नाम के आधार पर छात्र की तलाश शुरू की। कोटा में पढ़ रहे ढाई लाख बच्चों में से उस नाम के विद्यार्थियों को तलाशा गया और उन सभी पर फोकस होकर पूरी टीम जुट गई। पुलिस अधिकारी कोटा के सुसाईड पॉइंट पर भी पहुंचे और वहां भी निगरानी रखने लगे। आखिरकार उस छात्र की लोकेशन के आधार पर उसके कुन्हाड़ी स्थित हॉस्टल में पहुंची और उसे रूम से बाहर निकाला। एसपी का कहना है कि बच्चा पूरी तरह से बदहवास स्थिति में था।

कुछ देर और हो जाती तो वह सुसाईड भी कर सकता था। ऐसे में उसकी काउंसलिंग करवाई गई है और उसके पेरेंट्स को बुलाकर छात्र को कोटा से वापस भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि स्टूडेंट मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी कर रहा है और उसे कोटा आए हुऐं 10 दिन ही हुए थे। छात्र कोचिंग भी नहीं जा रहा था। साथ ही छात्र ने सुबह से खाना भी नहीं खाया था। एसपी चौधरी का कहना है कि केवल छात्र के मोबाइल नंबर और उसका नाम के संबंध में जानकारी मिली थी। ऐसे में यह कौन सी कोचिंग का है। कहां रहता है। यह सब कुछ तलाशना काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि छात्र पीजी में रहते हैं। स्टूडेंट की संख्या भी 2 लाख से ज्यादा है।

राजस्थानी मसालों में औषधि गुण होने से निर्यात की संभावना ज्यादा : हीरालाल नागर

कोटा, (निसं)। राजस्थान में हर साल लगभग 12 हजार करोड़ के मसाले से जुड़ी फसलों का उत्पादन होता है, लेकिन यहां मंडी टैक्स अधिक होने से कुल उत्पादन का 75 प्रतिशत कारोबार अन्य राज्यों में हो रहा है, जिसकी वजह से प्रदेश को बड़े राजस्व की हानि के साथ ही किसानों को भी नुकसान हो रहा है। कोटा में राजस्थानी एसोसिएशन ऑफ स्पाइसेस संस्था के दो दिवसीय रीजनल बिजनेस मीट में रास के प्रदेश अध्यक्ष श्याम जाजू ने यह बात कही। संस्था द्वारा झालावाड़ रोड़ पर दो दिवसीय बिजनिस मीट के दूसरे दिन समारोह के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रहे। जिसमें देश-विदेश से मसाला उद्योग से जुड़े उद्यमी, व्यापारी और किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में पदमश्री पदक से सम्मानित हुकमचंद पाटीदार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मसाला उद्योग से जुड़े व्यापारियों, उद्यमियों और किसानों को मिलकर फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी उसकी क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है, ताकि हमारा माल विदेशों में अधिक से अधिक निर्यात हो सकें, जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हो और यहां के किसानों, व्यापारियों को उसका फायदा मिल सकें। जिससे यहां रोजगार के अवसर पैदा हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि कोटा में पहले लहसुन, सब्जी के रूप में परिभाषित था, इसके लिए कोटा के व्यापारियों, लोकसभा अध्यक्ष और

कोटा में रास की आयोजित मीट में व्यापारी एकत्रित हुए है।

हमने मिलकर प्रयास किया और लहसुन को मसाले की श्रेणी में जगह दिलाई, जिसका फायदा यह हुआ कि आज हमारे कोटा की भामाशाहमंडी में आज लहसुन की इतनी आवक होती है कि ऑफ सीजन में सीजन के बराबर की आमदनी व्यापारियों को होने लग गई। उन्होंने कहा कि मसाले प्राचीन काल से हमारे भोजन में शामिल हैं, उनके आयुर्वेदिक औषधि गुण हैं जो कि हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं, व्यापारियों को उनके गुणों को भी प्रचारित करना चाहिऐं, ताकि लोग उन्हें औषधि के रूप में उनका सेवन करें। जिसका फायदा किसानों को भी होगा, बाजार में मांग बनी रहेगी जिससे भावों में अचानक से तेजी और मंदी नहीं आएगी। इस अवसर पर अतिथि के रूप में कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कहा कि कोटा को उद्योग नगरी के रूप में पुन: पहचान मिले, इसके लिए कोटा में एग्रीकल्चर हब, स्पाईस मार्क, स्टोन पार्क की सौगात मिलनी चाहिए, इसके लिए कोटा के व्यापारी समय-समय पर अपनी मांग उठाते रहते हैं, सरकार को इस बारे में सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

राजस्थानी एसोसिएशन ऑफ स्पाइसेस (रास) संस्था के सचिव महावीर गुप्ता ने कहा कि यदि मध्यप्रदेश और गुजरात की तर्ज पर यहां भी राजस्थान सरकार मंडी टैक्स कम कर दे तो सरकार को तो करोड़ों रूपयों के राजस्व का फायदा तो होगा ही साथ ही प्रदेश में मसाले से जुड़े लगभग एक हजार नये उद्योग स्थापित होने की संभावनाओं के साथ ही एक लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। साथ ही किसानों को भी उनकी उपज का सही मूल्य मिलने के साथ ही दूसरे राज्यों में उपज ले जाने में खर्च भी बचेगा। इस बारे में सरकार को सकारात्मक रूप से मंडी टैक्स कम करने पर विचार करना चाहिए।

ताजा सेटेलाईट सर्वे से किसानों को यह लाभ-सेमीनार में संस्था द्वारा राजस्थान, गुजरात व मध्यप्रदेश के 18 जिलों के कराए गए सेटेलाईट सर्वे की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिसमें बताया गया कि संस्था द्वारा इन राज्यों में किसानों के खेतों का सर्वे कराया गया, इस तकनीक के माध्यम से यह फायदा होगा कि मसाला उद्योग से जुड़े व्यापारियों व कंपनियों व किसानों को

- **मसाला उद्योग से जुड़े कारोबारियों ने किया मंथन, सरकार को कुछ सुझाव दिये**

यह अनुमान लग सकेगा कि कितना प्रोडक्शन होगा और डिमांड के अनुरूप कितना और बढ़ाना चाहिऐं। साथ ही सेटेलाईट सर्वे से किसानों को फसल के स्वास्थ्य की रिपोर्ट के साथ ही पौधे में रोग का कारण और उसका निवारण भी मिल सकेगा।

तीन साल तक खराब नहीं होते मसाले-संस्था सचिव महावीर गुप्ता ने कहा कि राजस्थान के मसाले उनकी खुशबू और तासीर पूरी दुनिया में सबसे बेहतर है। इनको तीन साल तक रखने पर भी खराब नहीं होते, जबकि अन्य राज्यों के मसाले दो महीने में ही खराब हो जाते हैं। हमारे प्रदेश के मसालों की यह खूबी किसानों और व्यापारियों के लिए काफी फायदेमंद है, इससे इनके भण्डारण में भी ज्यादा खर्च नहीं होता। दूसरे दिन रविवार को मसालों पर परिचर्चा का आयोजन हुआ, जिसमें जीरा व धनिया उत्पादन एवं जैविक खेती तथा भावों के उतार-चढ़ाव पर चर्चा हुई। परिचर्चा में जी बिजनेस मुंबई के न्यूज एडिटर मृत्यंजय कुमार झा ने व्यापारियों के पैनल का संचालन किया। इस मौके पर कोटा से पूरण नागर, राजकुमार मित्तल, हेमंत जैन, कैलाश चंद दलाल, सत्यनारायण गुप्ता सहित बाहर से कई व्यवसायी शामिल रहे।

जायरीन उमराह के सफर पर रवाना

छबड़ा (निसं)। कस्बे से रविवार को मक्का मदीना के उमराह सफर पर जाने वाले एक दर्जन से अधिक जायरीनों का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान उमराह की यात्रा पर जाने वाले लोगो का छबड़ा रेलवे स्टेशन पर माला पहनाकर व पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। पार्षद हस्सान खान ने बताया कि उनके नेतृत्व में छबड़ा छीपाबडौद से एक दर्जन से अधिक ज़ायरीन मक्का मदीना के उमराह सफर पर जाने के लिए रवाना हुए है। ज़ायरीन सोमवार सुबह दिल्ली पहुंचेगे तथा वहां से मक्का मदीना पहुंचेगे तथा उमराह व ज़ियारत करेंगे तथा मुल्क में अमन चैन, शांति, मुल्क की तरक़्क़ी को लेकर दुआएं करेंगे। इसके बाद 26 फरवरी को अपने मुल्क हिंदुस्तान पहुंचेंगे। इससे पूर्व छबड़ा रेलवे स्टेशन पर उमराह पर जाने वाले ज़ायरीनों का क़स्बे के लोगो ने माला पहनाकर व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए अथवा उनकी ओर से वरि.मं.वि.इंजी (क.वि.) प.म.रे., कोटा निम्न कार्य के लिए खुली मोहरबंद निविदा आमंत्रित करता है। **(1) निविदा संख्या एवं कार्य का नाम:** निविदा संख्या- ईएल/टीआरडी/50/20 (2023-24)-रीलाइअबिलटी इम्प्रूवमेन्ट ऑफ 08 व्हीलर टॉवर वैगन बाय बी, सी, डी चेक ऑफ कोटा डिवीजन। **(2) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹